महिला महाविद्यालय, बहराइच

एक परिचय

भारत नेपाल सीमा पर स्थित बहराइच जनपद शिक्षा के क्षेत्र में काफी पिछड़ा है। बालिका– शिक्षा की इस महती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तारा महिला शिक्षा समिति के तत्कालीन अध्यक्ष / जिलाधिकारी माननीय एस0 एन0 शुक्ल, स्वर्गीय बैरिस्टर बलबीर सिंह एवं जनपद के प्रबुद्ध नागरिकों के अथक प्रयास से महिला महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1973 में तारा महिला इण्टर कालेज में उपलब्ध दो कमरों में की गई।

संकल्प के धनी श्री मनहरन नाथ कौल के सत्प्रयासों के चलते 1986 में महाविद्यालय का वर्तमान भवन जिले के प्रतिष्ठित व्यवसाइयों एवं प्रबुद्ध नागरिकों के सहयोग से तैयार हुआ। तब से महिला महाविद्यालय जनपद ही नही अपितु मण्डल स्तर पर महिला शिक्षा की अग्रणी संस्था के रूप में ज्ञान के आलोक को फैला रहा है।

महिला महाविद्यालय को 26 फरवरी 1977 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल महोदय से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हुई और उसी वक्त 1 नवम्बर 1977 को शासन की अनुदान सूची में सम्मिलित कर लिया गया। वर्ष 2024 तक यह महाविद्यालय डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या से सम्बद्ध था तथा वर्ष 2025 से माँ पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर से सम्बद्ध है।

महिला महाविद्यालय को स्नातक स्तर पर कला संकाय के 8 विषयों हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, मध्यकालीन इतिहास एवं संगीत (गायन) में स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हैं। इसके अतिरिक्त स्नातक स्तर पर 2 विषयों भूगोल तथा गृह विज्ञान में अस्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

परास्नातक स्तर पर हिन्दी, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र एवं मध्य कालीन इतिहास विषय की स्थायी सम्बद्धता तथा स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय की स्थायी सम्बद्धता स्ववित्त पोषित योजना के अन्तर्गत मिली हुई है।

लम्बे अर्से तक महाविद्यालय के सचिव पद पर अपना योगदान करने वाले श्री मनहरन नाथ कौल के आकस्मिक निधन के पश्चात् दिसम्बर 2000 से श्री मदनलाल अग्रवाल ने सचिव पद के उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। माह जनवरी, 2020 में श्री मदन लाल अग्रवाल के त्यागपत्र देने के उपरान्त श्री श्यामकरन टेकड़ीवाल सर्वसम्मति से महाविद्यालय के सचिव पद के उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। अध्यक्ष, प्रबन्ध समिति, जिलाधिकारी महोदय के निर्देशों में सीमित संसाधनों के बीच शिक्षण कक्षों की कमी एवं छात्राओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए पांच नये शिक्षण कक्षों तथा एक नयी सुसज्जित प्रयोगशाला का नये फर्नीचर सहित निर्माण कराया गया। विगत वर्षो में मुख्य द्वार एवं प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया गया। इसके अतिरिक्त दो नये शिक्षण कक्षों का भी निर्माण कराया गया है। निकट भविष्य में पुस्तकालय के लिए अतिरिक्त कक्ष एवं कान्फ्रेन्स हॉल का निर्माण प्रस्तावित है।

छात्राओं की सुविधा के लिए एक कैन्टीन एवं साइकिल / स्कूटी स्टैण्ड की भी व्यवस्था की गई है, तथा छात्राओं के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल के लिये प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र एवं जिम की व्यवस्था की गयी है।

वर्तमान में महाविद्यालय में लगभग 2000 छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। छात्राओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने के साथ ही उनमें अनुशासन, सहयोग एवं चारित्रिक विकास करने हेतु प्राचार्या एवं दक्ष प्राध्यापिकाएं निरंतर प्रयत्नशील है। निर्धन परिवार की छात्राओं के लिए आर्थिक सहायता तथा बुक—बैंक द्वारा पुस्तकीय सुविधा प्रदान किये जाने का प्रावधान है।

हमारे महाविद्यालय की छात्राओं का क्रीड़ा— स्पर्धाओं सांस्कृतिक एवं साहित्यिक आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है। अन्तरविश्वविद्यालयीय बास्केटबॉल, हॉकी, वॉलीबॉल एवं हैण्डबॉल, फुटबॉल, ताइक्वान्डो प्रतियोगिता आदि में छात्राओं की महत्वपूर्ण सहभागिता रहती है।

महाविद्यालय के यश—विस्तार में प्रबन्ध समिति की कार्यकारिणी के सम्मानित पदाधिकारियों व सदस्यों, प्राचार्या, शिक्षक, शिक्षिकाओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्राओं का सराहनीय योगदान निरन्तर रहा है। ये सभी अपने सतत् परिश्रम से महाविद्यालय के उन्नयन में अहर्निश प्रयासरत हैं। यह महाविद्यालय बालिका शिक्षा में उत्तर प्रदेश के नक्शे में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने और बालिकाओं के चहुँमुखी विकास के लिए सदैव तत्पर है।

राष्ट्रीय कौशल विकास योजना के अन्तर्गत चलाए जा रहे रोजगार परक पाठ्यक्रमों—कम्प्यूटर कोर्स तथा फैशन डिजाइन कोर्स के लिए लैब का निर्माण हो चुका है।

श्यामकरन टेकड़ीवाल
सचिव
प्रबन्ध समिति
महिला महाविद्यालय
बहराइच

प्राचार्या लेखनी

''तमसो मा ज्योतिर्गमय्'' इस मूलमंत्र से अनुप्राणित एवं ''विद्या धर्मेण शोभते'' के संकल्प से संकल्पित यह महाविद्यालय उत्कृष्ट उच्च शिक्षा के प्रति अहर्निश समर्पित है। छात्राओं का स्वर्णिम भविष्य बनाना, उनके संस्कारों में निखार लाना, उनकी प्रज्ञा को प्रखर करना, व्यक्तित्व का विकास, मानवीय मूल्यों का विकास करना और उन्हें सफलता के उच्चतम सोपान पर चढ़ाने हेतु प्रेरित करना, यह हमारा पुनीत कर्तव्य है । विद्यालयीय शिक्षा प्राप्ति के पश्चात्, जब छात्राएं महाविद्यालय शिक्षा में प्रवेश लेती है तो निश्चित ही दैदीप्यमान मोतियों एवं सीपियों को संकलित कर जीवन में आगे बढ़ने की कोशिश करती है। कन्या शिक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण हमारा उद्देश्य है। नेपोलियन ने कहा था – ''तुम मुझे अच्छी माता दो मैं तुम्हें अच्छा राष्ट्र दूँगा।'' छात्रायें मासूमियत, इंसानियत एवं इनायत की खूबसूरत मिसाल पेश करती हैं । कभी माँ सरस्वती का रूप धारण कर शिक्षा की अविरल धारा प्रवाहित करती हैं तो कभी माँ दुर्गा का रूप धारण कर तूफानों से टकराती हैं और भागीरथ प्रयास के द्वारा गंगा को पृथ्वी पर ले आती हैं।

मुझे गर्व है कि यहाँ के प्रबुद्ध प्राध्यापकगण ऐसी छात्राओं को पुष्पित, पल्लवित कर, समाज और राष्ट्र सेवा के लिए तैयार करते हैं। प्राध्यापकों के समर्पण एवं लगनता से यह महाविद्यालय निरन्तर प्रगति के सोपान पर अग्रसर हो रहा है।

सन् 1973 में एक बीजारोपण हुआ था जो प्रस्फुटित होकर सफलता की गगनचुंबी ऊँचाइयों को प्राप्त कर रहा है। स्नातक से स्नातकोत्तर एवं बी0एस0सी0 तक की यह ज्ञान धारा सतत् प्रवाहित हो रही है। छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए यहाँ समृद्ध ग्रंथालय, क्रीड़ा तथा खेल कूद के लिए हॉल, साथ ही संस्कार और संस्कृति तथा बहुमुखी प्रतिभा को निखारने के लिए विशाल ऑडिटोरियम है। महाविद्यालय की अधोसंरचना छात्राओं की प्रगति हेतु अनुकूल है। महाविद्यालय प्रांगण नगर के मध्य स्थापित होते हुए भी प्रदूषण रहित तथा पूर्ण रूप से फलदार, फूलदार वृक्षों से आच्छादित है। महाविद्यालय का वातावरण सुखमय तथा सौहार्दपूर्ण है।

हमारी छात्रायें जो महाविद्यालय की शान हैं, उनका मौलिक चिन्तन समाज के लिए एक मिसाल है। ये छात्रायें हमारी धरोहर हैं। यही हमारी पहचान हैं । इन्हीं उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति में, पूरा महाविद्यालय परिवार संलग्न होकर, आशान्वित है कि शिक्षा को सर्वसुलभ, रोजगारोन्मुख, सर्वोपयोगी बनाये जाने के लिए हमारा मानवीय चिंतन गतिमान है। मेरा ऐसा विश्वास है कि शिक्षा की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करके मैं अपनी परिकल्पना को पूर्णता प्रदान कर सकती हूँ । ईश्वर मेरे इस उद्देश्य में मेरा मार्गदर्शन करे व महाविद्यालय उज्ज्वल शैक्षिक वातावरण बनाने के सपने को साकार स्वरूप प्रदान करे ।

इन्ही शुभकामनाओं के साथ ।

प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी
प्राचार्या
महिला महाविद्यालय
बहराइच

प्रबन्ध समिति सदस्यों की सूची

1.	जिलाधिकारी, बहराइच	अध्यक्ष पदेन
2.	श्री अशोक मातनहेलिया	उपाध्यक्ष
3.	श्री श्यामकरन टेकड़ीवाल	सचिव
4.	श्री संतोष कुमार अग्रवाल	संयुक्त सचिव
5.	श्री रवि कोठारी	कोषाध्यक्ष
6.	मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच	सदस्य
7.	नगर मजिस्ट्रेट, बहराइच	सदस्य
8.	मुख्य चिकित्साधिकारी, बहराइच	सदस्य
9.	जिला विद्यालय निरीक्षक, बहराइच	सदस्य
10.	अध्यक्ष, जिला परिषद्, बहराइच	सदस्य
11.	अध्यक्ष, बार एसोसियेशन, बहराइच	सदस्य
12.	श्री आरिफ मोहम्मद खान (पूर्व राज्यपाल)	विशेष सदस्य
13.	श्री आदर्श कुमार अग्रवाल	सदस्य
14.	श्री अजय कुमार अग्रवाल	सदस्य
15.	प्रो0 डॉ0 प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या, महिला महाविद्यालय, बहराइच)	सदस्य
16.	डॉ0 निधि मल्ल असि0 प्रो0 शिक्षाशास्त्र, महिला महाविद्यालय, बहराइच	शैक्षिक सदस्य
17.	कु0 रूही असि0 प्रो0 शिक्षाशास्त्र, महिला महाविद्यालय, बहराइच	शैक्षिक सदस्य
18.	श्री जगराम मौर्य	शिक्षणेत्तर सदस्य

महाविद्यालय में कार्यरत

स्थायी शिक्षक :

1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी	प्राचार्या	
2. डॉ0 अमृता मिश्रा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संगीत (गायन)
3. डॉ0 अंकिता सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मध्यकालीन इतिहास
4. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	संस्कृत
5. डॉ0 रीमा शुक्ला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
6. डॉ0 सायरा खातून	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
7. डॉ0 यासमीन फातिमा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
8. डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
9. डॉ0 सीमा यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
10. डॉ0 मधुबाला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
11. कु0 आकांक्षा पटेल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
12. डॉ0 दया कुमारी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
13. डॉ0 सरिता यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
14. कु0 मनीषा गुप्ता	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
15. डॉ0 निधि मल्ल	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
16. कु0 रूही	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
17. डॉ0 कमर जहाँ	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	उर्दू
18. डॉ0 प्रीती यादव	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अंग्रेजी

संविदा शिक्षक :

:1. डॉ0 कलीम अहमद	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रसायन विज्ञान
2. डॉ0 उमेश प्रताप सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वनस्पति विज्ञान
3. डॉ0 मनीषा खन्ना	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
4. डॉ0 संजय पाल सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	समाजशास्त्र
5. डॉ0 रीता शुक्ला	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	हिन्दी
6. डॉ0 श्याम कुमार चौधरी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
7. डॉ0 सिद्धेश्वर नारायण उपाध्याय	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मध्यकालीन इतिहास
8. डॉ0 लक्ष्मीकान्त त्रिपाठी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गणित

अंशकालिक शिक्षक :

1. श्री अरविन्द कुमार मिश्रा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भौतिक विज्ञान
2. कु0 अलवीरा खान	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जन्तु विज्ञान
3. कु0 फरहीन सिद्दीकी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	जन्तु विज्ञान
4. अंकिता चौधरी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रसायन विज्ञान
5. कु0 खुशबू	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	रसायन विज्ञान
6. डॉ0 रामदेव चातक	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मध्यकालीन इतिहास
7. काव्या सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	मध्यकालीन इतिहास
8. जगदम्बा प्रसाद	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	वनस्पति विज्ञान
9. उमरा अंसारी	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	अंग्रेजी
10. डॉ0 पूजा सिंह	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	भूगोल
11. शिवानी वर्मा	असिस्टेन्ट प्रोफेसर	गृह विज्ञान
12. आँचल गुप्ता	प्रशिक्षक	ब्यूटीशियन
13. वास्तविकता सिंह	प्रशिक्षक	फैशन डिज़ाईनिंग
14. इसरार अली	प्रशिक्षक	ताइक्वांडो

स्थायी शिक्षणेत्तर कर्मचारी :

1.	श्री राजेशपाल रावत	कार्यालय अधीक्षक
2.	आशुलिपिक	पद रिक्त
3.	श्री रविकान्त कश्यप	तबला संगतकार
4.	पुस्तकालय सहायक	पद रिक्त
5.	श्री जगराम मौर्य	पुस्तकालय सहायक
6.	श्रीमती अजरा परवीन	कनिष्ठ सहायक
7.	श्री इरफान अली	दफ्तरी
8.	श्री राजेश कुमार	स्वीपर

कार्यालय/प्रयोगशाला सहायक :

1.	श्री राम गोपाल पाठक	कार्यालय सहायक
2.	श्री अतुल कुमार राव	कम्प्यूटर सहायक
3.	श्री कमल मिश्रा	प्रयोगशाला सहायक
4.	श्रीमती तनवीर नकवी	कार्यालय सहायक
5.	श्री अयोध्या प्रसाद मिश्रा	प्रयोगशाला अनुचर
6.	श्री नवीन कश्यप	कार्यालय सहायक
7.	श्री नीरज कुमार पाल	कार्यालय सहायक
8.	श्री सुखदेव प्रसाद पाठक	गेट कीपर
9.	श्री विजय कुमार	पुस्तकालय अनुचर
10.	श्री राजकुमार यादव	अनुचर
11.	श्री राजन जायसवाल	अनुचर

नई शिक्षा नीति से सम्बन्धित प्रकोष्ठ/समिति एवं सदस्यगण

अनुशासन समिति :-
1. डॉ0 अमृता मिश्रा - मुख्य शास्ता
2. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी - सदस्य

प्रवेश समिति :-
1. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी - प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा - सदस्य

छात्रवृत्ति समिति :- नोडल अधिकारी - डॉ0 सायरा खातून
अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक वर्ग को छोड़कर)
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) - अध्यक्ष
2. डॉ0 सीमा यादव - प्रभारी

अल्पसंख्यक वर्ग :-
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) - अध्यक्ष
2. डॉ0 यासमीन फातिमा - प्रभारी

सामान्य वर्ग :-
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) - अध्यक्ष
2. डॉ0 अंकिता सिंह - प्रभारी

अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग :-
1. प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी (प्राचार्या) - अध्यक्ष
2. डॉ0 दया कुमारी - प्रभारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रकोष्ठ :-
1. डॉ0 कमर जहाँ - प्रभारी
2. डॉ0 मधुबाला - सदस्य

परीक्षा समिति :-
1. डॉ0 अमृता मिश्रा - प्रभारी
2. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी - सदस्य

पुस्तकालय वाचनालय
1. डॉ0 यासमीन फातिमा - प्रभारी
2. डॉ0 संजय पाल सिंह - सदस्य

क्रीड़ा समिति :-
1. कु0 आकांक्षा पटेल - प्रभारी
2. डॉ0 रूही - सदस्य

सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिषद :-
1. डॉ0 अमृता मिश्रा - प्रभारी
2. डॉ0 रीमा शुक्ला - सदस्य

निर्धन छात्रा सहायता परिषद :-
1. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी - प्रभारी
2. डॉ0 सायरा खातून - सदस्य

बालिका हेल्थ क्लब :-
1. डॉ0 अंकिता सिंह - प्रभारी
2. डॉ0 मधुबाला - सदस्य

शिक्षक, अभिभावक एवं पुरातन छात्रा समिति :-
1. डॉ0 श्याम कुमार चौधरी - प्रभारी
2. श्रीमती ज्योति त्रिपाठी- सदस्य

सामाजिक कार्य, चारित्रिक विकास व जन जागरूकता समिति
1. डॉ0 एस0एन0 उपाध्याय - प्रभारी
2. डॉ0 अंकिता सिंह - सदस्य

स्वच्छता समिति :-
1. डॉ0 दया कुमारी - सदस्य
2. डॉ0 अंकिता सिंह - सदस्य

यौन उत्पीड़न एवं एंटी रैगिंग एवं छात्रा शिकायत प्रकोष्ठः
1. डॉ0 मनीषा खन्ना - प्रभारी
2. डॉ0 सायरा खातून - सदस्य

आई0क्यू0ए0सी0 सेल :-
1. डॉ0 कमर जहाँ - प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा - सदस्य

समय सारणी, अवकाश व कैलेन्डर समिति :-
1. डॉ0 सीमा यादव - प्रभारी
2. डॉ0 अमृता मिश्रा - सदस्य

भौतिक सत्यापन समिति :-
1. डॉ0 मधुबाला - प्रभारी
2. डॉ0 प्रीती यादव - सदस्य

समर्थ
1. डॉ0 यासमीन फातिमा - प्रभारी
2. डॉ0 कमर जहाँ - सदस्य

सोशल मीडिया
1. कु0 आकांक्षा पटेल - प्रभारी

अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस :-
1. डॉ0 श्याम कुमार चौधरी - प्रभारी

सड़क सुरक्षा अभियान :-
1. कु0 आकांक्षा पटेल - प्रभारी

वृक्षारोपण अभियान :-
डॉ0 संजय पाल सिंह - प्रभारी

प्लेसमेंट सेल :-
1. डॉ0 रीमा शुक्ला- प्रभारी
2. श्रीमत ज्योति त्रिपाठी - सदस्य

राष्ट्रीय सेवा योजना :-
1. डॉ0 रीमा शुक्ला - कार्यक्रम अधिकारी

रोवर्स/रेंजर्स :- कु0 मनीषा गुप्ता - प्रभारी

चुनावी साक्षरता क्लब -डॉ0 अमृता मिश्रा - नोडल अधिकारी

पत्रिका समिति
1. डॉ0 प्रियंका श्रीवास्तव - मुख्य सम्पादक
2. कु0 आकांक्षा पटेल - सदस्य

प्रवेश नियमावली

स्नातक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्रवेश की इच्छुक छात्राओं के लिए महाविद्यालय कार्यालय से प्रवेश आवेदन–पत्र प्राप्त कर प्रविष्टियों के साथ निर्धारित तिथि के भीतर कार्यालय में जमा करना आवश्यक होगा।

बी0ए0 प्रथम वर्ष के प्रवेश फार्म के साथ निम्नलिखित संलग्नकों को लगाना अनिवार्य होगा अन्यथा प्रवेश आवेदन पत्र स्वीकृत नहीं किया जायेगा।

1. इण्टरमीडिएट तथा हाईस्कूल अंकपत्र (छायाप्रति)
2. हाईस्कूल प्रमाण पत्र (छायाप्रति)
3. अन्य जनपद की टी0सी0 जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रमाणित होने पर ही मान्य होगी।
4. चरित्र प्रमाण पत्र मूल रूप में तथा फोटो।
5. प्रवेश के समय टी0सी0 मूल रूप मे जमा करना अनिवार्य होगा।
6. आधार कार्ड की छायाप्रति (आधार कार्ड के सभी विवरण सही होने चाहिये व जनपद बहराइच के सरकारी बैंक का नाम व खाता संख्या)
7. विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन भरे गये यू0आई0एन की प्रति ।

नोट :– आवेदन पत्र जमा करते समय उपरोक्त कक्षाओं के अंक पत्रों एवं प्रमाण पत्रों की मूल प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

स्नातक प्रथम वर्ष (प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर) में प्रवेश से सम्बन्धित नियमावली

1. उत्तर प्रदेश के समस्त राज्य निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्राविधानों के आलोक में उत्तर प्रदेश शासन के पत्र संख्या 1065 / सत्तर–2021–16 (260) / 2011 में प्रदान किये गये निर्देशों को शैक्षिक सत्र 2021–22 से विश्वविद्यालय के समस्त स्नातक तथा 2022–23 से परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेशिका स्तर (प्रथम सेमेस्टर) से क्रियान्वित किया जाता है।

स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश, निकास व पुनः प्रवेश से संबंधित प्रक्रिया –

1. विद्यार्थी को एक वर्ष (दो सेमेस्टर) पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट इन फैकल्टी (Certificate in faculty) के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी ।
2. दो वर्ष (चार सेमेस्टर) पूर्ण करने पर डिप्लोमा इन फैक्ल्टी (Diploma in faculty) के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी ।
3. विद्यार्थी को निर्गत सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा पर उसके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त रोजगार परक (Vocational) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा ।
4. विद्यार्थी को तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) पूर्ण करने पर ही डिग्री प्राप्त होगी (Bachelor in faculty)

महाविद्यालय में प्राध्यापित विषयों का चयन :-

विश्वविद्यालय के नियमानुसार महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर विषय चयन के लिए एक वर्ग से केवल एक विषय का चयन करते हुए दो मेजर विषय लेने होंगे तथा एक माइनर विषय लेना होगा । जो विद्यार्थी जिस विषय को मेजर विषय के रूप में लेगा, वह उस विषय को माइनर विषय के रूप में नहीं लेगा ।

कला संकाय :- स्नातक स्तर

मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर
I. अंग्रेजी II. संस्कृत	I. हिन्दी II.उर्दू	I. गृहविज्ञान II. संगीत (वोकल)	I. मध्य कालीन एवं आधुनिक इतिहास	I. शिक्षाशास्त्र II. भूगोल	समाजशास्त्र

विज्ञान संकाय :- स्नातक स्तर

अ- बायो ग्रुप

मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर
I. जन्तुविज्ञान	I. वनस्पति विज्ञान	I. रसायन विज्ञान

ब- गणित ग्रुप

मेजर/माइनर	मेजर/माइनर	मेजर/माइनर
I. गणित	I. भौतिक विज्ञान	I. रसायन विज्ञान

तीसरे गौण (Minor) विषय का कोर्स किसी भी विषय का इलेक्टिव मुख्य विषय के अनुसार ही 4+2=6 क्रेडिट का होगा अर्थात सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक होगा तथा पाठ्यक्रम भी मुख्य विषय का रहेगा । माइनर विषय केवल प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर में रहेगा ।

प्रयोगशाला

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणिविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल एवं गृह विज्ञान की प्रयोगशाला में समस्त उपकरण उपलब्ध हैं तथा प्रयोगात्मक कार्य नियमित रूप से कराया जाता है।

प्रत्येक छात्रा को प्रथम चार सेमेस्टर के प्रत्येक सेमेस्टर में एक सह – पाठ्यगामी (Co-curricular) विषय अनिवार्य है।

स्नातक स्तर पर अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रम (Co-curricular)

1. स्नातक के विद्यार्थी के लिए प्रति सेमेस्टर के क्रम में निर्धारित 02 क्रेडिट के सहगामी–पाठ्यक्रम Co- curricular) का अध्ययन करना अनिवार्य होगा ।
2. अनिवार्य सहगामी–पाठ्यक्रमों (Co-curricular) का सेमेस्टर के अनुक्रम में विवरण निम्नवत है –

क्रम	वर्ष	सेमेस्टर	सहगामी–पाठ्यक्रम
1	प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (First Aid and basic Health)
		द्वितीय सेमेस्टर	मानवीय मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन (Human Values and Environmental Studies)
2	द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर	शारीरिक शिक्षा एवं योग (Physical Education and Yoga)
		चतुर्थ सेमेस्टर	अवधी भाषा का अध्ययन/सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता (Study of Avadhi Language/Social Responsibility and community Engagement)
3	तृतीय वर्ष	पंचम सेमेस्टर	सहगामी–पाठ्यक्रम नहीं चलेंगे ।
		षष्ठ्म सेमेस्टर	सहगामी–पाठ्यक्रम नहीं चलेंगे ।

नोट :– चतुर्थ सेमेस्टर में एक भारतीय/स्थानीय भाषा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता (Social Responsibility and community Engagement) पाठ्यक्रम चलाया जायेगा। भारतीय भाषा को मुख्य विषय के रूप में लेने वाले विद्यार्थी सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे तथा अन्य विद्यार्थी भारतीय स्थानीय भाषा का अध्ययन करेंगे । इनमें प्राप्त ग्रेडस को C.G.P.A. की गणना में सम्मिलित किया जायेगा।

प्रत्येक छात्रा को प्रथम तीन सेमेस्टर में एक रोजगार –परक (Vocational) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम लेना अनिवार्य होगा ।

वोकेशनल विषय

कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत संचालित कार्यक्रमों की सूची –

1- Fashion Designing 2- Beautician

नोट : स्नातक पाठ्यक्रम के समस्त विषयों यथा – दो (2) मेजर विषय एक (1) माइनर विषय, एक (1) वोकेशनल विषय तथा एक (1) अनिवार्य कोकरिकुलर विषय चयनित करना है ।

कला संकाय (स्नातकोत्तर स्तर)

एम0 ए0

1. हिन्दी 2. समाज शास्त्र 3. शिक्षाशास्त्र 4. मध्यकालीन इतिहास

महाविद्यालय परिधान

अनुशासन एवं सामाजिक समरसता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में समान परिधान (यूनीफॉर्म) की व्यवस्था लागू है, जिसके अनुपालन में अध्ययन करने वाली सभी छात्राओं को निर्धारित परिधान (यूनीफॉर्म) में आना अनिवार्य है। विवरण निम्नवत् है :–

1. हल्के गुलाबी रंग का कॉलरदार कुर्ता
2. सफेद सलवार तथा सफेद दुपट्टा (सूती कपड़े का)
   अथवा हल्की गुलाबी साड़ी तथा सफेद ब्लाउज़
3. शीतकाल में मैंरून कलर का ब्लेज़र या कार्डिगन।

नियम निर्देश एवम् अनुशासन

महाविद्यालय की प्रत्येक छात्रा के लिए अधोलिखित नियमों एवम् निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा–

1. सम्बन्धित विषयों की कोई भी कक्षा छोड़कर महाविद्यालय परिसर से बाहर जाना निषिद्ध होगा।
2. प्रत्येक विषय के व्याख्यान में 75% उपस्थिति अनिवार्य है इससे कम उपस्थिति होने पर छात्रा को विश्वविद्यालय परीक्षा देने से रोक दिया जायेगा।
3. कक्षाओं का परिवर्तन करते समय अथवा दूसरी शिक्षण कक्षाओं के समय बरामदे में या आस–पास शोर करना वर्जित होगा।
4. निर्धारित समय पर कक्षा में उपस्थित रहना तथा अनुशासन बनाये रखना प्रत्येक छात्रा के लिए अनिवार्य है। प्रवेश के समय लिए गये विषयों को परिवर्तित नहीं किया जायेगा तथा वि0वि0 प्रवेश आवेदन पत्र में भरे गए विषय ही मान्य होंगे जिसमें महाविद्यालय परिवर्तन नहीं कर सकता है।
5. छात्राओं को चाहिये कि वे कॉलेज नोटिस बोर्ड का अवलोकन नियमित रूप से किया करें जिससे उनको सम्बन्धित जानकारी प्राप्त होती रहेगी।
6. **महाविद्यालय परिसर में मोबाइल का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है, उल्लंघन करने वाली छात्रा का मोबाइल जब्त कर लिया जायेगा।**

छात्रा का नाम कटना

1. महाविद्यालय के नियमों का उल्लंघन करने अथवा अनुशासन भंग करने पर।
2. बिना सूचना के निरन्तर 15 दिन तक कॉलेज में अनुपस्थित रहने पर।
3. परीक्षा में अनुचित–साधन प्रयोग करने पर नाम कटने के साथ छात्रा की टी0सी0 में प्रतिकूल प्रविष्टि की जायेगी।
4. विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने पर।
5. सम्बन्धित विषयों की कक्षायें बिना अनुमति लिए छोड़ने पर।

अध्ययन/अध्यापन, अनुशासन तथा परीक्षा शिक्षालयों के मूल तत्व हैं। अनुशासनबद्ध होकर अध्ययन एवं अध्यापन की निरन्तरता तथा परीक्षा की पवित्रता को अक्षुण बनाए रखना ही महाविद्यालय परिवार का पुनीत कर्तव्य है। उपर्युक्त लक्ष्य से भटकना सामाजिक बुराई व अपराध ही नहीं, अपितु विद्या के प्रति विश्वास, अनुशासन के प्रति अनुराग, चरित्र के प्रति चेतनता और नैतिकता के प्रति निष्ठा को नष्ट करने का अभिशाप होगा।

छात्रवृत्ति नियम

4\. (1) अनुसूचित जाति/अनु0 जनजाति/पिछड़ी एवं सामान्य वर्ग की छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा के अन्दर आय एवं जाति प्रमाण–पत्र के साथ छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति आवेदन पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।

5\. (1) अनु0जाति/पिछड़ी जाति की छात्राओं को छात्रवृत्ति शासन द्वारा निर्दिष्ट नियमों के अन्तर्गत प्रदान की जायेगी। छात्रवृत्ति आवेदन पत्र ऑनलाइन भरे जाते हैं।

(2) अनु0जाति/पिछड़ी जाति/सामान्य एवं अल्पसंख्यक छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित आय के अन्तर्गत छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। छात्रवृत्ति आवेदन पत्र आनलाइन भरे जाते हैं।

पुस्तकालय नियम

1. पुस्तकालय पत्रक पर पुस्तक 30 दिन के लिए निर्गत की जायेगी।
2. पुस्तक को देय तिथि तक वापस न करने पर 1 रु0 प्रतिदिन की दर से विलम्ब दण्ड देय होगा।
3. पुस्तक के पृष्ठ फाड़ना, चित्र निकालना अथवा किसी प्रकार की हानि पहुँचाना वर्जित होगा।
4. संदर्भ ग्रन्थ जैसे शब्द कोश, विश्व कोश आदि पुस्तकालय से निर्गत नहीं किया जायेगा।
5. पत्र–पत्रिकायें छात्रायें वाचनालय में पढ़ सकती हैं, उन्हें घर ले जाने का प्रावधान नहीं है।

महाविद्यालय पत्रिका (स्पंदन)

1. पत्रिका का मुख्य उद्देश्य छात्राओं की रचनात्मक एवं भावात्मक अभिव्यक्ति का विकास करना है।
2. पत्रिका हेतु छात्रायें अपना आलेख, कहानी, कविता आदि निर्धारित समय के भीतर जमा कर सकती हैं।
3. छात्राओं के पुरस्कृत आलेख एवं अन्य रचनायें भी पत्रिका में छपती हैं।
4. विभिन्न अवसरों पर आयोजित सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अन्य कार्यक्रमों के चित्र पत्रिका में उपलब्ध हैं।

पुरातन छात्रा समिति

1\. महिला महाविद्यालय, बहराइच में पुरातन छात्रा परिषद का गठन किया गया है, जिसके अन्तर्गत पुरातन छात्रा समागम का आयोजन किया जाता है। जिसमें पुरातन छात्राओं को एक दूसरे से मिलने का अवसर प्रदान किया जाता है।

छात्रवृत्ति एवं पुरस्कार

1. स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को **सचिव** महोदय द्वारा प्रतिवर्ष सम्मानित किया जाता है।
2. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की छात्राओं को प्रतिवर्ष जिलाधिकारी महोदय के कर कमलों द्वारा ब्लेजर या अन्य ऊनी वस्त्र वितरित किया जाता है।
3. खेलकूद, वाद–विवाद, भाषण व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को स्वर्ण, रजत व कॉँस्य पदक से सम्मानित किया जाता है।

जिमनेजियम हॉल

महाविद्यालय में जिमनेजियम हॉल की व्यवस्था है जिसमें छात्राओं को व्यायाम की उचित व्यवस्था दी गयी है।

पाठ्येत्तर क्रिया–कलाप

1. खेलकूद में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को अन्तरमहाविद्यालयीय एवं विश्वविद्यालयीय स्तर पर प्रतियोगिता में भाग लेने पर प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
2. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विशेष स्थान प्राप्त करने पर छात्रायें पुरस्कृत एवं सम्मानित की जाती हैं।
3. इच्छुक छात्राओं के लिए एन.एस.एस., रोवर्स / रेंजर्स, ताइक्वान्डो प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है।

शुल्क सम्बन्धी निर्देश

1. शासनादेश सं0 676 / 15–11–87–3 (11) 87 दि0 9.7.1987 के अनुसार महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली छात्राओं से पूरे वर्ष का शुल्क एक साथ लिया जायेगा।

   शुल्क संरचना सम्बन्धी विश्वविद्यालय की अधिसूचना सं0 अ0 वि0 / शैक्षि0 / 1244 / 1999 दिनांक 18 / 22–7–1992 के क्रम में वित्त समिति की बैठक दिनांक 30–7–2003 में लिये गये निर्णय के उपरान्त शासनादेश संख्या : 3045 / 70–4 / 2003–46 (50) / 99 दिनांक 03–11–2003 के पश्चात दिनांक 15–7–2004 एवं दिनांक 25–7–2004 में लिये गये निर्णयानुसार शैक्षिक सत्र 2004–2005 से सहायता प्राप्त सम्बद्ध महाविद्यालयों के लिए संशोधित शुल्क का विवरण ।

जो नर आत्मदान से अपना जीवन–घट भरता है,
वही मृत्यु के मुख में भी पड़कर न कभी मरता है।
जहाँ कही है ज्योति जगत में, जहाँ कही उजियाला,
वहाँ खड़ा है कोई अन्तिम मोल चुकाने वाला।

–दिनकर

महाविद्यालय में जमा किये जाने वाले शुल्क का विवरण

शुल्क का विवरण

1.	बी0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	-	1305/-
	प्रायोगिक विषय के साथ	-	1545/- (एक विषय)
	दो प्रायोगिक विषय के साथ	-	1735/- (दो विषय)
2.	बी0ए0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	-	1275/-
	प्रायोगिक विषय के साथ	-	1515/- (एक विषय)
	दो प्रायोगिक विषय के साथ	-	1755/- (दो विषय)
नोट : - भूगोल व गृह विज्ञान विषय चयन किये जाने			
	पर प्रति विषय	-	800/- देय होगा
3.	बी0ए0 पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर	-	1075/-
	प्रायोगिक विषय के साथ	-	1315/- (एक विषय)
	दो प्रायोगिक विषय के साथ	-	1555/- (दो विषय)
4.	बी0एस0सी0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	-	3650/-
5.	बी0एस0सी0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	-	3850/-
6.	बी0एस0सी0 पंचम एवं षष्टम सेमेस्टर	-	3650/-
7.	एम0ए0 प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	-	4450/-
8.	एम0ए0 तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	-	4400/-
9.	समस्त कक्षाओं के लिये डोनेशन	-	600/-

नोट : परीक्षा आवेदन पत्र भरते समय परीक्षा शुल्क छात्रा द्वारा स्वयं भरा जाएगा ।

नोट : शासन के आदेशानुसार शुल्क में परिवर्तन सम्भव है ।

महत्वपूर्ण निर्देश

- ☞ प्रॉस्पेक्टस पंजीकरण फॉर्म एवं प्रवेश आवेदन–पत्र कॉलेज के अतिरिक्त किसी और स्थान से न खरीदें।
- ☞ आवेदन पत्र भरने के पूर्व निर्देशों को बहुत ध्यानपूर्वक पढ़े।
- ☞ केवल एक श्रेणी (Category) भरें। प्रवेश में आरक्षण सम्बन्धी लाभ के लिए पंजीकरण फार्म के साथ ही संदर्भित प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां संलग्न करना आवश्यक है। कार्यालय में आवेदन–पत्र अंतिम रूप से जमा होने के बाद कोई अन्य प्रपत्र व संलग्नक स्वीकार्य नहीं होगा।
- ☞ आरक्षित वर्ग में छात्रवृत्ति प्राप्त करने हेतु अर्ह छात्राएं प्रवेश प्राप्ति के पश्चात अपना छात्रवृत्ति आवेदन पत्र ऑनलाइन निर्धारित तिथि के अन्दर भरें। इस हेतु अधिक जानकारी के लिए सम्बन्धित काउन्टर से सम्पर्क कर सकती हैं। छात्राओं द्वारा विलम्ब से आवेदन पत्र जमा करने पर छात्रवृत्ति प्राप्त न होने का उत्तरदायित्व छात्रा का होगा।
- ☞ अपने आवेदन–पत्र को डाक व कोरियर द्वारा न भेजें। आवेदन–पत्र स्वयं छात्रा द्वारा व्यक्तिगत रूप से महाविद्यालय के कार्यालय में जमा किया जायेगा तथा संलग्नक की छाया प्रतियों का सत्यापन मूल प्रतियों से कराया जाये ।
- ☞ यदि आपका चयन हो जाता है तो जिस दिन आपको शुल्क जमा करने हेतु बुलाया गया है उसी दिन प्रवेश ले लें अन्यथा आप प्रवेश से वंचित कर दी जायेंगी।
- ☞ महाविद्यालय में प्रवेश लेने के उपरान्त अधिकतम एक सप्ताह में यदि छात्रा कक्षाओं में अपना नाम नहीं लिखवाती है तो उसका प्रवेश स्वतः निरस्त समझा जाएगा।
- ☞ उक्त छात्रा किसी भी दशा में विश्वविद्यालयीय परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकती जिसका पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित छात्रा का होगा। कक्षाओं में 75% उपस्थिति अनिवार्य है।

डॉ0 अमृता मिश्रा
मुख्य शास्ता

प्रो0 (डॉ0) प्रिया मुखर्जी
प्राचार्या
महिला महाविद्यालय
बहराइच

मनुष्य का सच्चा जीवन साथी विद्या ही है, जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है।
–स्वामी दयानन्द

मनुष्य अपने गुणो से आगे बढ़ता है न कि दूसरों की कृपा से।
– लाला लाजपत राय

महाविद्यालय शैक्षणिक अवकाश तालिका (2026–27)

क्र0सं0	अवकाश का नाम	दिनांक	दिन	स.प.	नि.	अन्य	योग
1	नव वर्ष दिवस	01 जनवरी	गुरूवार	–	1	–	1
2	मकर संक्रान्ति	14 जनवरी	बुधवार	–	1	–	1
3	बसंत पंचमी	23 जनवरी	शुक्रवार	–	1	–	1
4	गणतंत्र दिवस	26 जनवरी	सोमवार	1	–	–	1
5	शबे बारात	4 फरवरी	बुधवार	–	1	–	1
6	महाशिवरात्रि	15 फरवरी	रविवार	–	–	–	0
7	होली	2–5 मार्च	सोमवार से गुरूवार	2	1	1	4
8	जमात उल विदा	13 मार्च	शुक्रवार	–	1	–	1
9	चेटी, चन्द	19 मार्च	गुरूवार	0	0	1	1
10	इदुल–फितर	21 मार्च	शनिवार	1	–	–	1
11	रामनवमी	26 मार्च	गुरूवार	1	–	–	1
12	महावीर जयन्ती	31 मार्च	मंगलवार	1	–	–	1
13	गुड फ्राईडे	03 अप्रैल	शुक्रवार	1	–	–	1
14	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल	मंगलवार	1	–	–	1
15	बुद्ध पूर्णिमा	01 मई	शुक्रवार	1	–	–	1
16	बड़ा मंगल (स्थानीय अवकाश)	05 मई	मंगलवार	1	–	–	1
17	लोकनायक महाराणा प्रताप जयन्ती	09 मई	शनिवार	–	1	–	1
18	ग्रीष्मावकाश	18 मई से 04 जुलाई	सोमवार से शनिवार	–	–	40	40
19	चेहल्लुम	04 अगस्त	मंगलवार	–	1	–	1
20	स्वतन्त्रता दिवस	15 अगस्त	शनिवार	1	–	–	1
21	बारावफात	26 अगस्त	बुधवार	1	–	–	1
22	रक्षाबन्धन	26–29 अगस्त	शुक्रवार से शनिवार	1	–	1	2
23	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी	04 सितम्बर	शुक्रवार	1	–	–	1
24	विश्वकर्मा जयन्ती	17 सितम्बर	गुरूवार	–	1	–	1
25	अनन्त चतुर्दशी	25 सितम्बर	शुक्रवार	–	1	–	1
26	महात्मा गांधी जयन्ती	02 अक्टूबर	शुक्रवार	1	–	–	1
27	दशहरा/विजयादशमी	15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर	गुरूवार से बुधवार	1	1	4	6
28	महर्षि बाल्मीकि जयन्ती	26 अक्टूबर	सोमवार	–	1	–	1
29	देवा मेला (स्थानीय अवकाश)	30 अक्टूबर	शुक्रवार	1	–	–	1
30	सरदार वल्लभ भाई पटेल जयन्ती	31 अक्टूबर	शनिवार	0	1	–	1
31	दीपावली एवं गोवर्धन पूजा	06 नवम्बर से 11 नवम्बर	शुक्रवार से बुधवार	2	0	3	5
32	वीरांगना ऊदा देवी शहीदी दिवस	16 नवम्बर	सोमवार	0	1	–	1
33	गुरू नानक जयंती	24 नवम्बर	मंगलवार	1	–	–	1
34	महादेवा मेला (स्थानीय अवकाश)	07 दिसम्बर	सोमवार	1	–	–	1
35	क्रिसमस दिवस	25 दिसम्बर	शुक्रवार	1	–	–	1
36	शीतावकाश	26 से 31 दिसम्बर	शनिवार से गुरूवार	–	–	5	5
		योग		22	14	55	91

वर्ष में कुल दिवस – 365
वर्ष में कुल अवकाश – 144

वर्ष में कुल कार्य दिवस – 221

राजपत्रित अवकाश – 24
निर्बन्धित अवकाश – 02
अन्य अवकाश – 64
वर्ष में कुल रविवार – 52
प्राचार्य विवेकाधीन अवकाश – 02

नोट : नियमानुसार किसी भी अवकाश में परिवर्तन किया जा सकता है ।

प्राचार्या

महाविद्यालय की शिक्षिकाएं/गुरूजनगण

इस विवरणिका में जहाँ छात्राओं के लिए महाविद्यालय के नियमों एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का उल्लेख किया गया है, वहीं शिक्षिकाओं के कर्तव्यों एवं दायित्वों का उल्लेख किया जाना भी आवश्यक है। शिक्षक समाज निर्माण, चरित्र, ज्ञान–विस्तार, बौद्धिक स्वतंत्रता तथा सामाजिक प्रगति के प्रमुख आधार होते हैं। उनके उपदेश से अधिक उनका समर्पण, नैतिकता तथा आचरण प्रेरणादायी एवं अनुकरणीय होता है। इसी भावना के अनुरूप महाविद्यालय में शिक्षिकाओं की कार्यप्रणाली संबंधी निम्न व्यवस्थाएँ निर्धारित की जाती है।

महाविद्यालय की प्रत्येक शिक्षिका का साप्ताहिक अध्यापन कार्य न्यूनतम 18 घंटे होगा। यदि कक्षाओं की गणना पीरियड प्रणाली के अनुसार की जाए, तो यह प्रति सप्ताह लगभग 24 शिक्षण सत्र (पीरियड्स) के समतुल्य होगा । वर्तमान समय में प्रत्येक कक्षा की अवधि एक घंटा निर्धारित होने के कारण शिक्षण कार्य उसी के अनुसार संपादित किया जाएगा ।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक शिक्षिका प्रति सप्ताह न्यूनतम 6 घंटे महाविद्यालय के प्रशासनिक, सहशैक्षिक एवं शिक्षणेत्तर कार्यों में प्राचार्या को सहयोग प्रदान करेंगी तथा छात्राओं की शैक्षिक एवं व्यक्तिगत कठिनाइयों के समाधान हेतु उपलब्ध रहेंगी ।

प्राचार्या से भी प्रति सप्ताह आवश्यकतानुसार अध्यापन कार्य में सहभागिता की अपेक्षा की जाती है, जिससे शैक्षणिक वातावरण सृदढ़ एवं अनुशासित बना रहे ।

प्रत्येक शिक्षिका से प्रति सप्ताह कुल 40 घंटे कार्य अपेक्षित है, जिसमें न्यूनतम 24 घंटे महाविद्यालय परिसर में उपस्थित रहना आवश्यक होगा । शेष समय अध्यापन की तैयारी, शोध कार्य उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन, छात्राओं के मार्गदर्शन तथा अन्य शैक्षिक दायित्वों के निर्वहन में लगाया जाएगा ।

प्रत्येक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम 210 कार्य दिवस सुनिश्चित किए जाएँगें, जिससे शिक्षण कार्य नियमित प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण रूप से संचालित हो सके ।

नोट : उपर्युक्त न्यूनतम कार्य से अधिक सहयोग एवं योगदान की अपेक्षा महाविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रत्येक सम्मानित शिक्षिका से की जाती है। सभी शिक्षिकाओं से अनुरोध है कि वे अध्यापन तैयारी, शोध, छात्राओं के मार्गदर्शन एवं सहायता संबंधी कार्य यथासंभव महाविद्यालय परिसर में रहकर सम्पन्न करें, जिसमें महाविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अधिक समृद्ध एवं अनुशासित बन सके ।

कुलगीत

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की जली यहाँ थी चिंगारी,
गूँजती इस पावन धरा पर, सुहेलदेव की हुँकार निराली
बसी है सरयू के रम्य तट पर,
ब्रह्मा की यह राजधानी

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

इंद्रधनुषी सपनों को सच कर दिखाए,
जीवन की बगिया को यह सुंदर बनाए,
ज्ञान की ज्योति से नित प्रखर बनाए,
यही है वो तपोभूमि जहाँ साधना करते थे अष्टावक्र वाल्मीकि

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।

आओ मिलकर अपना ये प्रण निभाएँ,
सर्वप्रथम इंसान को इंसान बनाएँ,
सर्वधर्म-समभाव की मशाल जलाएँ,
सृजन - मंदिर यह नित विकसित हो यही है शुभकामना हमारी

सुभग सुहावन सुरम्य पावन ।
ये प्यारा विद्या - भवन तपोभूमि ।।